Cover page

अल्लाह के नाम से

क़ुर्आने-मजीद के
80% अलफ़ाज़

याद करने की आसानी के लिये
टापिक के लिहाज़ से बनाई हुई अलफ़ाज़ की लिस्टें

Only common meanings are given here. There can be additional meanings of a word depending upon the context.

Back cover

अल्लाह के नाम से

- कुर्आने-मजीद में (approx) 77,800 अलफ़ाज़ हैं। इस बुकलेट में दिये गए अलफ़ाज़ कुर्आने-मजीद में 64,282 (82.6%) बार आए हैं।
- पहले 6 पेजेस में दिये गए अलफ़ाज़ कुर्आने-मजीद में 32,268 (41.5%) बार आए हैं। इन पेजेस में दिये गए हुरूफ़ या अलफ़ाज़ एक दूसरे से मिलकर भी आए हैं जैसे لَمْ और فِيهَا।
- पेज 7 से 14 तक nouns की और पेज 15 से 33 तक verbs की लिस्ट दी गई है। हर noun या verb के साथ दिया गया नमबर ये बताता है कि वह noun या verb कुर्आने-मजीद में कितनी बार आया है।
- हर क्रिया (verb) के लिए (singular, masculine, third person के) माज़ी (past tense), मूज़ारे (imperfect or present tense), और अम्र (imperative) के सेग़े और इस्म-फ़ाइल (करने वाले का नाम) और मस्दर (काम का नाम) उसी लाईन में दिये गए हैं। उम्मीद है कि आप बाक़ी सारे सेग़े बना सकेंगे। इस बुकलेट के आख़िर में नमूने के लिए सारे सेग़े एक टेबल की सूरत में दिये गए हैं।
- कुछ अलफ़ाज़ के एक से ज़ियादा माने भी हैं लेकिन यहाँ पर हर लफ़्ज़ (शब्द) के सिर्फ़ आम माने ही दिये गए हैं।

Abbreviations

mg	masc. gender	*fg*	fem. gender	*br.pl*	broken plural
sg	singular	*dl*	dual	*pl*	plural
sb	somebody	*st*	something	*ss*	somebody or something

अललाह के नाम से

اَلْحمدُ ِللهِ وَالصلّوةُ والسلامُ علی رَسُولِ الله

अल्लाह तआ़ला ने अपनी किताब मे बिलकुल साफ़ साफ़ फ़रमाया है: "हम ने आप की तरफ़ एक मुबारक किताब नाज़िल की ताकि वह इसकी आयात पर ग़ौर करें" [38:29]. अगर हम इस किताब को समझने ही की कोशिश न करें तो इसकी आयात पर ग़ौर कैसे किया जा सकता है। अल्लाह के रसूल मुहम्मद صلّى الله عَلَيِه وسَلّم ने फ़रमाया: "तुम में बेह्तर वह शख़्स है जो कुर्आन सीखे और सिखाए" (बुख़ारी)।

यह बुकलेट कुर्आने-मजीद को समझने में मदद देने के लिए तय्यार किया गया है। इसको पढ़ते वक़्त नीचे दी हुई बातों को याद रखिये।

- जब किसी शब्द के दो बिलकुल अलग माने हों तो दोनों मानों के बीच में ; दिया गया है। अगर माने एक दूसरे के क़रीब हों तो बीच में सिर्फ़ कामा (,) दिया गया है जैसे:
  (पर, ऊपर عَلٰى) (आँख ; चशमा पानी का عَيْن)
- इस बुकलेट के किसी लफ़्ज़ के आख़री हर्फ़ पर अगर एराब (ज़बर, ज़ेर,..) न लगे हुए हों तो इसका मतलब यह है कि जुमले में उस लफ़्ज़ की हैसियत के लेहाज़ से उसके आख़री हर्फ़ पर ज़बर, ज़ेर, पेश या तनवीन (ٌ ً ٍ) आसकते हैं। अगर उस लफ़्ज़ के साथ اَل लगा हो तो आखरी हर्फ़ पर सिफ़ ज़बर या ज़ेर या पेश आयेगा।
- हर पेज के नीचे उस पेज के अल्फ़ाज़ का कुर्आने-मजीद में तकरार

का टोटल दिया गया है । यह भी बताया गया है कि अगर आप इस पेज तक दिये गये अल्फ़ाज़ के माने याद करलें तो आप कुर्आनी अल्फ़ाज़ का कितना फ़ीसद जान चुके होंगे ।

- हर पेज पर अल्फ़ाज़ को अ़रबी के हरफ़ों के हिसाब से जमाने की कोशिश की गई है ताकि अल्फ़ाज़ को ढूँढने में असानी हो ।
- कुर्आने-मजीद में feminine के और dual के सेग़े बहुत कम इस्तेमाल हुए हैं । शुरु में इन पर कम तवज्जह दी जा सकती है ।
- पेज 15 से 33 तक दी गई लिस्टों में हर पेज पर कोई दो verbs के साथ * लगाया गया है । ऐसे verbs के पूरे सेग़े अलग से दूसरी किताब, "कुर्आने-मजीद के बाज़ अहम अफ़आ़ल" मे दिये गये हैं ।
- फ़ेल के हर बाब के शुरू में मारूफ़ (active) के और आख़िर में मजहूल (passive) के सेगों के नमूने दिये गए हैं ।
- हर ज़बान की तरह अ़रबी में कुछ verbs ओर मसादिर हमेशा हर्फ़े-जर के साथ आते हैं जैसे (पर ईमान लाया آمَنَ بِ) । इस हर्फ़े-जर के बदलने से उन verbs के माने भी बदल जाते हैं जैसे (किसी) से मारना या (किसी) को मारना । इस तरह के कुछ अहम verbs पेज 34 पर दिये गए हैं ।

Important References

(1) قائمة معجمية بألفاظ القرآن لكريم ودرجات تكرارها: د. محمد حسين ابوالفتوح. مكتبة لبنان. لبنان. 1990. (2) المعجم المفهرس لألفاظ القرآن لكريم: محمد فؤاد عبدالباقي.